Title : Need to provide special package for calamity relief in Pithoragarh district of Uttaranchal.

श्री बची सिंह रावत 'बचदा' (अल्मोड़ा) : सभापति महोदय, मेरे सामने एक अत्यंत ज्वलंत प्रश्न आया है, जिसे मैं सदन के सामने रखना चाहता हूं। मेरे संसदीय क्षेत्र के सीमांत जिले पिथौरागढ़ की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं तिब्बत (चीन) तथा नेपाल से लगी हुई हैं, इस जिले की मुन्स्यारी, धारचूला व डीडीहाट तहसीलें पूर्व से ही भू-स्खलन प्रभावित क्षेत्र में शामिल हैं।

इस वर्ा जुलाई माह से लगातार अतिवृटि व बादल फटने के कारण तथा नदी की बाढ़ के कारण मदकोद मुन्स्यारी तथा धारचूला क्षेत्र में कई किलोमीटर सड़क धंस गई है और सैंक्ड़ो मकान ध्वस्त या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अनेक लोगों की मृत्यु हो चुकी है व हजारों एक्ड़ उपजाऊ भूमि बह चुकी है। सड़क यातायात ठप है तथा दूरसंचार व्यवस्था भी भंग हो गई है। मैं स्वयं भी वहां नहीं पहुंच पाया। यही स्थिति डीडीहाट, कनालीछीना, मूनाकोट आदि क्षेत्रों की भी है। अनेक पुल भी बह चुके हैं ।

राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा राहत व बचाव कार्य अत्यंत धीमी गति से हो रहा है। तेल, गैस व खाद्यान्न का अभाव हो गया है, जिससे लोगों के सामने भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है।

अतः मैं केन्द्र सरकार से मांग करूंगा कि इस स्थिति को सामान्य बनाने हेतु केन्द्र से आपदा राहत हेतु विशे सहायता प्रदान की जाए व स्थिति को सामान्य बनाने हेतु वहां की सरकार को निर्देश देने के साथ-साथ केन्द्रीय एजेंसीज को भी तैनात किया जाए। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण विय है, अतः केन्द्र सरकार इस पर तुरंत ध्यान दे।